अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट

पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर,
तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान
335073

वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष – 2015–2016

प्रबन्ध निदेशक
अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट
श्री करणपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)

ट्रस्ट द्वारा किये गये सामाजिक कार्य :–

- साक्षरता अभियान
- शिक्षा जागरूकता रैली
- कम्प्यूटर शिक्षा
- स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम
- नेत्र शिविर
- नशा मुक्ति कार्यक्रम
- एच.आई.वी. एड्स जागरूकता कार्यक्रम
- कन्या भ्रूण हत्या पर रोकथाम लगाने हेतु कार्यक्रम
- दलित सशक्तिकरण
- वृक्षारोपण कार्यक्रम
- महिला सशक्तिकारण
- खेल–कूद प्रतियोगिता
- केंसर जागरूकता कार्यक्रम :–
- महिला जागरूकता शिविर
- विकलांग सशक्तिकरण
- विकलांग व्यक्तियों का आर्थिक पुर्नवास
- विकलांगो का शैक्षणिक पुर्नवास
- सहायक सेवाए
- जल संरक्षण सप्ताह

प्रबन्ध निदेशक
अनुपमा एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट
श्री करणपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)

साक्षरता अभियान

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 द्वारा नगर में 250 निरक्षरों को साक्षर करने का ट्रस्ट द्वारा संकल्प लिया गया था। जिसके अन्तर्गत ट्रस्ट ने अपने कार्य क्षैत्र के गांव में घर–घर जाकर सम्पर्क कर, साक्षरता अभियान चलाकर निरक्षको को साक्षर किया गया। विशेष कर महिलाओं को साक्षर करने में ट्रस्ट द्वारा अहम भूमिका निभाई गई जिसकी जन प्रतिनिधियों द्वारा भी सराहाना कि गई।

शिक्षा जागरूकता रैली

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 द्वारा शिक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बच्चो को स्कुल भेजने हेतु उनके अभिभावको से सम्पर्क किया गया एवं लगभग 160 बच्चे जो स्कुल जाना छोड चुके थे उनका स्कुल में पुनः नामाकंन करवाया गया। इस रैली के माध्यम से कार्यक्षेत्र के लोगो में शिक्षा प्राप्त करने हेतु जोर दिया एवं उनको शिक्षा से होने वाले लाभो को भी बताया।

कम्प्यूटर शिक्षा

वर्तमान में कम्प्यूटर शिक्षा का महत्व आवश्यक होने के कारण अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 द्वारा जिले में एक अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान क्षेत्रवासियों को कम्प्यूटर शिक्षा से अवगत कराया गया। जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के कम्प्यूटर एप्लीकेशन सिखाये जा रहे है। जिसमें कम्प्यूटर बेसिक, माइक्रोसोफ्ट वर्ड, एक्सल, पावरपाईन्ट, नोट पेड, वर्डपेड इत्यादि। इन में रूचि रखने वाले छात्रो को ट्रस्ट द्वारा मुफ्त पाठ्य पुस्तके, बैंग स्लिप पैड इत्यादि दिये जाते है।

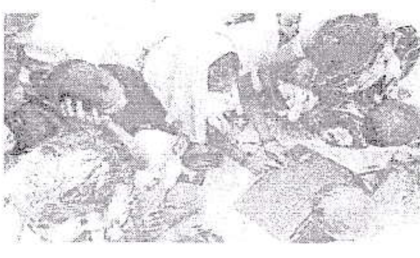

प्रबन्ध निदेशक
अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट
श्री करणपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)

स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम

<u>अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073</u> द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में जनसहभागिता से सम्पादित व्यक्तिगत स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत ट्रस्ट ने वर्ष 2015–16 के दौरान गांवो में महिलाओं की समूह की बैठक लेकर व्यक्तिगत स्वच्छता तथा स्वास्थ्य पर जानकारी दी। ट्रस्ट ने महिलाओं तथा बच्चो को प्रतिदिन मंजन करने, स्नान करने, धुले हुऐ कपडे पहनने, शौच आदि के बाद साबून से हाथ धोने, पानी को छानकर पीने, पोष्टिक आहार एवं संतुलित भोजन के बारे में बताया। वर्षा ऋतु में होने वाली बिमारियों, महिलाओं तथा बच्चो में फैल रहे चर्म रोग व नेत्र रोग जैसी बीमारियों पर भी प्रकाश डाला गया एवं बचाव के उपाय बतायें।

नेत्र शिविर

<u>अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073</u> द्वारा नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में जनचेतना विकसित करने व इस क्षेत्र में जनसमाज को सेवा उपलब्ध कराई गई। जिसमें सैकडो लोगो ने भाग लिया। तथा आंखो में होने वाली बीमारियों पर विशेष ज्ञान प्राप्त किया। ट्रस्ट के कार्यकत्ताओं द्वारा बताया बया कि आंखो के रोग प्रायः विटामिन की कमी से होते है।

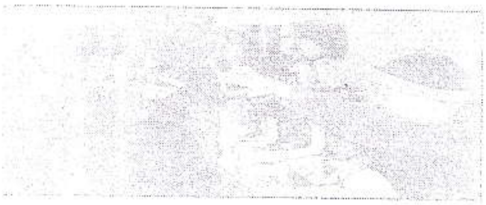

नशा मुक्ति कार्यक्रम

<u>अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073</u> द्वारा जिले में समग्र ग्राम विकास के सपने साकार करने में ग्रामीणों में पैर पसार रही नशा–खोरी की लत बाधा बनी हुई है। शराब, तम्बाकू गुटखा सेवन की लत ग्राम विकास में सबसे बडी बाधा है। नशाखोरी के कारण ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति बत्तर होती जा रही हैं। पारिवारिक कलह बढ रहा है। तथा बच्चों के भविष्य पर भी बुरा असर पड रहा है। नशा मुक्ति की दिशा में ट्रस्ट ने कदम उठाते हुए वर्ष 2015–16 के दौरान जिले में वर्ष के प्रत्येक माह नशा मुक्ति कार्यक्रम किया गया।

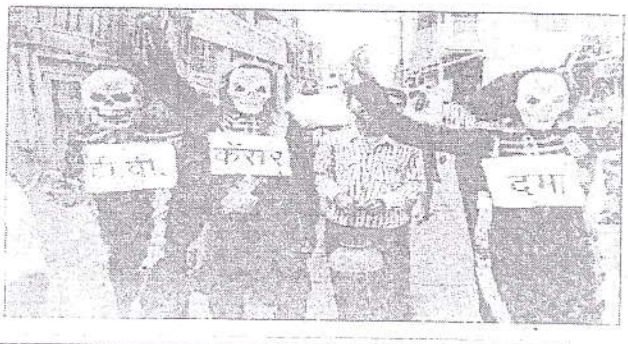

प्रबन्ध निदेशक
अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट
श्री करणपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)

एच.आई.वी. एड्स जागरूकता कार्यक्रम :–

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 द्वारा एड्स जागरूकता शिविर लगाये व कार्यक्रम में उपस्थित जनता को एड्स के प्रति जागरूक किया जिसके अन्तर्गत उन्हे इस घातक बिमारी के लक्षण, कारण, बचाव, के बारे में जानकारी दी गई। श्रीगंगानगर जिले में ट्रस्ट ने एड्स से बचाव के लिए प्रचार प्रसार किया व शहर की कच्ची बस्ती में शिविरों का आयोजन किया। जिसके अन्तर्गत विद्यालयों में एड्स के बारे में जानकारी देकर रैली निकाली गई। इन सभी बस्तियों में निरोध डिपों बनाकर निरोध सप्लाई किये गये तथा निरोध की उपयोगिता बताई गई व स्वास्थ्य शिविर लगाकर बिमारियों का ईलाज भी किया गया।

कन्या भ्रुण हत्या पर रोकथाम लगाने हेतु कार्यक्रम :–

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 द्वारा वर्ष 2015–16 में कन्या भ्रुण हत्या पर रोकथाम लगाने हेतु विशेष प्रयास किये गयें। आज भी अधिकांश तहसीलों में बेटी के जन्म को लेकर बहुत सी महिलाओं को आज भी काफी तकलीफो का सामना करना पडता है। जिले की अनेक तहसीलों में कन्या का जन्म एक अभिशाप समझा जाता है और उसे बोझ समझा जाता है इस सामाजिक सोच के रहते आज भी तहसीलों में ना जाने कितनी ही महिलाओं हिंसा का शिकार होना पडता है। इस सामाजिक कुरितियों का अंत करने हेतु अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 द्वारा जिले की तहसीलों में एक ट्रस्ट का गठन किया गया व प्रत्येक पंचायतों में एक–एक ट्रस्ट का गठन कर वहां पर लोगो की सामूहिक बैठक में तहसील के लोगो को यह जानकारी दी गई वे घर में बेटी का अभिशाप न माने क्योकिं बेटी को जन्म देना केवल महिलाओं पर ही नही निर्भर है ये तो पति और पत्नि दोनो पर ही निर्भर होता है। समय–समय पर ट्रस्ट द्वारा तहसील में बैठक लेकर लोगो में कन्या भ्रुण हत्या के रोकथाम पर जोर दिया।

दलित सशक्तिकरण

श्रीगंगानगर जिला शिक्षा के क्षेत्र में काफी अग्रसर हो रहा है परन्तु दलितो व आदिवासियों की स्थिति अत्यन्त चिन्तनीय है। यहां के ग्रामीण क्षेत्रों में दलितो के साथ होने वाले भेदभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देते है। जहां पर सार्वजनिक संसाधनों पर निर्भरता जीवन के लिए आवश्यक है। पर इस तरह के भेदभाव स्पष्ट रूप से उनके साथ दायरे में दर्जे का व्यवहार किया जा रहा है इसमें दलित व जनजाति वर्ग के साथ सार्वजनिक स्थान के साथ–साथ सरकारी ट्रस्टों में भी भेदभाव हो रहा है। उनके लिए अलग से पानी के मटके रखे जाते है व उनकी कतारे अलग लगाई जाती है। दलित व जनजाति महिलाओं की हालत और भी बदतर है। इस वर्ग की महिलाओं को पितृ सत्ता व्यवस्था के चलते घर में शोषण का शिकार तो होना ही पडता है साथ उन्हे जाति आधारित शोषण का सामना भी करना पडता है। कार्यक्षेत्र के कई हिस्सो में दलित व जनजाति महिलाओं को मजबूरी वश वैश्यावृत्ति जैसे घिनौने कार्य भी करना पड़ता है। दलित व जनजाति बच्चों के साथ स्कूलों में हो रहे भेद भाव के कारा उनकी शिक्षा की स्थिति और भी बदतर होते जा रही है। गैर दलित शिक्षकों का उनके साथ भेदभाव का व्यवहार उन्हे प्रोत्साहित

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट श्री करणपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)

करने का नहीं होता है जिसके कारण इस वर्ग के अधिकतर बच्चे पढाई छोडकर बाल मजदूर बन जाते है। हाल के वर्षो में दलित वर्ग के साथ होने वाली हिंसा की वारदातों में काफी बढोतरी हुई है। सर्वसमाज महिला उत्थान ट्रस्ट, द्वारा बालेसर सत्ता में दलित व जनजाति वर्ग के अस्तित्व, अस्मिता एवं अधिकारों की बहाली हेतु कार्य क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में दलित व जनजाति वर्ग के लोगो के साथ जनसम्पर्क एवं बैठको का आयोजन कर उन्हे अपने अधिकारों के प्रति सशक्त बनाने का प्रयास किया। इन बैठको में निम्न मुद्दों पर चर्चा किया गया :–

1. दलित व जनजाति समाज का इतिहास।
2. मरूस्थल, मेवाड व वागड में दलित व जनजाति समुदाय की स्थिति।
3. दलितों के प्रति हिंसा।
4. सरकारी योजनाओं तक पहुंच।
5. पंचायत में उनकी भूमिका।
6. सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा।
7. दलित जमीनी अधिकार।
8. सामुदायिक संसाधनों तक पहुंच।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

वृक्षो के महत्व को देखते हुए <u>अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073</u> द्वारा जिले में कार्यक्षेत्र के गांवो में वृक्षो को लगाने के लिये भावना को जागृत करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिससे बच्चो सहित बडो में भी वृक्षों के प्रति जागरूकता पैदा हो सकें। ट्रस्ट द्वारा की गई इस कार्यशाला में वृक्षों से होने वाले महत्वों को बताया गया तथा साथ ही ट्रस्ट के कार्यकर्त्ताओं द्वारा यह बताया गया कि वृक्षों के द्वारा ही मनुष्यों को जीवन जीने हेतु प्राणवायु प्राप्त होती है। अतः वृक्ष जितने कम होते जायेगें, उससे उतना नुकसान हमें ही है। इस कार्यक्रम में लोगो द्वारा वृक्षारोपण का आव्हान कर गांवो में लोगो द्वारा 350 से अधिक वृक्षारोपण का कार्य किया।

महिला सशक्तिकरण

जिले की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को देखते हुए ट्रस्ट का कहना है किस किसी भी सार्थक सामाजिक बदलाव के लिए महिलाओं के मुद्दों पर सघन रूप से कार्य करना नितान्त आवश्यक है। पितृसत्तात्मक व्यवस्था एवं सामाजिक परिवेश के कारण महिलाओं पर होने वाले अत्याचार कई बार सामाजिक मान्यता का रूप ले लेते है, जिससे महिलाओं की स्थिति बेहद दुभर हो जाती है। कुछ इलाके आज भी बालिका शिशु हत्या के लिए जाने जाते है। जो

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट श्री करणपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)

महिलाओं की दयनीय स्थिति को इंगित करता है। दलित व जनजाति महिलाओं की स्थिति और भी खराब है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से महिलाओं की स्थिति काफी चिन्ताजनक है। हाल ही के एक सर्वे के अनुसार श्रीगंगानगर जिले में कई महिलाएं एनिमिया की शिकार है। ग्रामीण क्षेत्रो में प्राथमिक उपचार, प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य, प्रसवकालीन चिकित्सा सेवाओं का पूर्णतया अभाव है। महिलाऐ बिमारी की स्थिति में भी दाईयों एवं यहां की स्थानीय भोपो के चक्कर में रहती है। जिससे बीमारी विकराल रूप लेकर उन्हे मौत के मुंह तक पहुंचा देती है। कई स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारीयां दी और इस कार्यक्रम का लाभ कई महिलाओं ने लिया।

खेल–कूद प्रतियोगिता

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 द्वारा नगर में सत्र 2015–16 में मैदान परिसर में विभिन्न प्रकार की खेलकूद प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुई कबड्डी प्रतियोगिता, खो–खो प्रतियोगिता, कुर्सी रेस, खो–खो प्रतियोगिता, चम्मच रेस, आदि जिसमें कई बच्चो ने भाग लिया और बच्चो ने बडे उत्साह से इन खेलो को खेला साथ ही ट्रस्ट के कार्यकर्त्ताओं द्वारा जिले के बच्चों को बताया की खेल को खेलने से हमारे स्वास्थ्य अच्छा रहता है। क्रिकेट व टेनिस खेलने से हमारी सांस लेने की योग्यता कई गुना बढ जाती है। इसके अलावा हमारे शरीर में रक्त का परिसंचरण भी सुधर जाता है।

कैंसर जागरूकता कार्यक्रम

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 द्वारा जिले के समग्र ग्राम विकास के सपने को साकार करने में ग्रामीणों में पैर पसार रही नशा–खोरी की लत बाधा बनी हुई है। शराब, तम्बाकू, गुटखा सेवन की लत ग्राम विकास में सबसे बडी बाधा है। नशाखोरी के कारण ग्रामीण परिवारों की आर्थिक बदतर होती जा रही है। पारिवारिक कलह बढ रहा है। तथा बच्चों के भविष्य पर भी बुरा असर पड रहा है। नशा मुक्ति की दिशा में ट्रस्ट ने कदम उठाते हुए वर्ष 2015–16 के दौरान श्रीगंगानगर जिले में वर्ष के प्रत्येक माह नशा मुक्ति कार्यक्रम किया गया। उक्त कार्यक्रमों के साथ ही औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र के विद्यार्थियों को गांधी जयन्ती (02 अक्टूबर 2015) तथा नेहरू जयन्ती (14 नवम्बर 2015) को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम के तहत ट्रस्ट ने 800 लोगो तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाया।

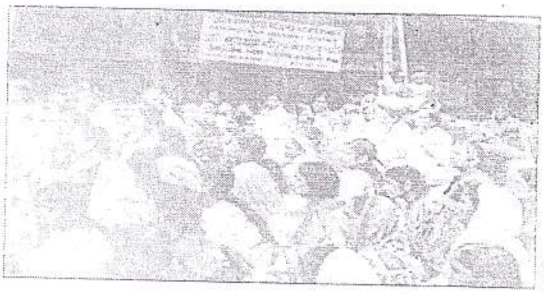

महिला जागरूकता शिविर

जागरूकता के अभाव में महिलाएं पुरूष प्रधान समाज द्वारा उत्पीडन का शिकार होती है। गांवो में महिलाओं का शोषण शहरो की तुलना में ज्यादा होता है। ट्रस्ट द्वारा महिलाओं में जागरूकता उत्पन्न कर शोषण के खिलाफ लडने की ताकत देने का प्रयास किया गया। इस दिशा में ट्रस्ट ने वर्ष 2015–16 में जिले के गांवो व शहरो में एक–एक महिला गोष्ठी कार्यक्रम के द्वारा कई महिलाओं को जागरूक किया गया। उन महिलाओं को अपने अधिकारो के लिये लडने के बारे में बताया गया। साथ ही ट्रस्ट ने हेल्पलाईन नम्बर की जानकारी भी दी। जो महिलाओं के लिये बेहद उपयोगी रही।

विकलांग सशक्तिकरण

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 द्वारा विकलांग सशक्तिकरण के सन्दर्भ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बताया गया कि विकलांग व्यक्ति को परावलम्बन से स्वावलम्बन की ओर लाने के लिए यह आवश्यकता है कि विकलांग व्यक्ति अपनी विकलांगता को स्वीकार करनें। अधिकाधिक स्वावलम्बन व्यक्ति में आत्मविश्वास और स्वाभिमान का विकास करता है। जिससे व्यक्ति को समाज में अपना स्थान लेने में किसी प्रकार की विशेष अडचन नहीं आती। इन समस्त प्रक्रियाओं से विकलांगो के प्रति समाज का कर्तव्य और समाज के प्रति विकलांग व्यक्ति का कर्तव्य क्या है? इसकी सचेतना आती है। इसी समझ के आधार पर ट्रस्ट के सामाजिक पुनर्वास का कार्य किया है। ट्रस्ट द्वारा इस कार्य के लिए समुचित वातावरण बनाने के लिए ग्राम मुखिया, दुकानदारों, शिक्षकां, ग्रामसेवकों, ए.एन.एम. गांव के सक्रिय व्यक्तियों आदि के साथ लेकर विकलांग व्यक्ति व उसके परिवार, समाज के साथ वार्तालाप की निरन्तरता पर विशेष बल दिया गया। इस वार्तालाप का मुख्य उद्देश्य विकलांगता को प्रशिक्षण के लिए तैयार करना रहा है तथा इन उद्देश्यो को पाने के लिए कई सफलताएं पाई है। ग्रामीण समुदाय की विकलांगो के प्रति नकारात्मक अवधारणाओं में बदलाव लाने, विकलांग व्यक्ति के व्यक्तिगत अस्तित्व स्थापित करने का सफल प्रयास किया गया। लोगो में यह समझाईश की गई कि विकलांग व्यक्ति अपनी इन्य इन्द्रियों की सहायता से धीरे–धीरे सीखता है कि प्रयत्न करने पर वह सब कुछ कर सकता है।

विकलांग व्यक्तियों का आर्थिक पुर्नवास

पुर्नवसन की विभिन्न प्रक्रियाओं में कुशलता, स्वावलम्बन, आत्मविश्वास विकास के पश्चात् आर्थिक स्वावलम्बन पुर्नवास प्रक्रिया का अन्तिम व महत्वपूर्ण पडाव है। ट्रस्ट द्वारा सभी आयुवर्ग के विकलांगो का आर्थिक पुर्नवास करने पर विशेष बल दिया गया। ट्रस्ट द्वारा कार्यक्षेत्र के विकलांगो को वातावरण परिचय व गतिशीलता, दैनिक गतिविधियों पर कौशल्य विकास प्रशिक्षण देने के साथ इनका व्यवसाय के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण का निर्माण किया गया। प्रत्येक विकलांगो के लिए व्यवसाय का चयन उसकी पृष्ठभूमि, रूचि, योग्यता, पारिवारिक–सामाजिक सहकार, स्थानीय बाजार की स्थिति के आधार पर किया गया। व्यवसाय स्थानीय परिस्थितियों को आधार पर व्यवसाय करने में आने वाली बाधाओं को सूचीबद्ध कर उन्हे व्यावसायिक प्रशिक्षण का लाभ दिया गया है। क्षेत्र में अधिकांश विकलांगो ने छोटी दूकान चलाने के कार्य को प्राथमिकता दी है

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट

तो कुछ विकलांग, रस्सी बनाना, बडी निकालना, पशुपालन, कृषि कार्यो को व्यवसाय के रूप में चयन किया है। अतएव व्यवसाय की प्रकृति अनुसार व्यावारिक रूप से उन्हे प्रशिक्षण दिया गया। ट्रस्ट द्वारा इन प्रशिक्षित विकलांगो को कई प्रकार के व्यवासायों से जोडा गया। जबकि ये सभी प्रशिक्षित विकलांगो को कई प्रकार के व्यवसायों से जोडा गया। जबकि ये सभी प्रशिक्षित, विकलांग आर्थिक रूप से गरीब थे जो इन व्यवसायों को अपने स्तर पर शुरू करने में असमर्थ थे अतः ट्रस्ट के कार्यकर्त्ताओं के द्वारा समाज कल्याण विभाग, बैंक व ट्रस्ट अपने खुद के द्वारा इन विकलांगो को आर्थिक सहायता प्रदान कर व्यवसाय से जोडने का कार्य किया जा रहा है।

विकलांगो का शैक्षणिक पुर्नवास

ट्रस्ट द्वारा 6 से 18 आयुवर्ग के विकलांग बच्चों की शिक्षा को सुनियोजित करने लिए शैक्षणिक पुर्नवास का विशेष महत्व दिया गया। ट्रस्ट द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में इस आयुवर्ग के 410 विकलांग बच्चों का चयन कर उन्हे शिक्षा की मुख्य धारा से जोडा गया।

सहायक सेवाएं

भारतीय स्वतंत्रता के बाद केन्द्रीय और राज्य सरकारों ने विकलांग व्यक्तियों के लिए कई योजनाएं शुरू की है। इन योजनाओं का लाभ सीधा विकलांग लोगो तक पहुंच इसके लिए ट्रस्ट द्वारा विशेष प्रयास किया गया। ट्रस्ट द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर यह पाया कि लगभग 410 विकलांगो जो कि सरकारी सेवाओं के लाभ से वंचित हैं। इन्ही विकलांगो के कल्याणार्थ संचालित योजनाओं की जानकारी तक नहीं है। अतएव क्षेत्र की इन परिस्थितियों को देखते हुए ट्रस्ट द्वारा सर्वप्रथम विकलांगो को सहायक सेवाएं जैसे विकलांग प्रमाण पत्र, बसपास, रेलपास आदि का लाभ दिलाया गया। इससे विकलांगो का ट्रस्ट के कार्यकर्त्ताओं के साथ मजबूत रिश्ता बना।

जल संरक्षण सप्ताह

सर्वसमाज महिला उत्थान द्वारा वर्ष 2015–16 के दौरान जून के प्रथम सप्ताह को जल संरक्षण सप्ताह के रूप में मनाया। इस दौरान ट्रस्ट ने श्रीगंगानगर जिले में गांव–गांव जाकर जल संरक्षण गोष्ठिया आयोजित कर ग्रामीणों को पानी का महत्व बताया, पानी का अपव्यय रोकने का आह्वान किया तथा वर्षा के पानी को संरक्षित करने के तरीके बतायें। इस कार्यक्रम के द्वारा ट्रस्ट ने जिले के ग्रामीणों तक पानी के संरक्षण की बात पहुंचाई। यह कार्यक्रम जनसहभागिता द्वारा किया गया।

87